



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 59]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 22, 1978/ फाल्गुन 3, 1899

No. 59]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 22, 1978/PHALGUNA 3, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

(कानूनी और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1978

सा० का० नि० 86(अ).—केन्द्रीय सरकार, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सिक्किम की राज्य सरकार से परामर्श करने के पश्चात् भारतीय प्रशासनिक सेवा (ज्येष्ठता का विनियमन) नियम, 1954 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासनिक सेवा (ज्येष्ठता का विनियमन) संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय प्रशासनिक सेवा (ज्येष्ठता का विनियमन) नियम, 1954 के नियम 6 ख के पश्चात् निम्नलिखित नियम रखा जाएगा ; अर्थात् :—

“5-घ सिक्किम काडर के आरंभिक गठन पर सेवा में नियुक्त अधिकारियों की ज्येष्ठता”

इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, सिक्किम राज्य के सदस्य में राज्य काडर के आरंभिक गठन के समय सेवा में नियुक्त अधिकारियों का आबंटन वर्ष और उनकी ज्येष्ठता केन्द्रीय सरकार द्वारा निम्नलिखित रीति से अवधारित की जाएगी, अर्थात् :—

(क) ऐसे अधिकारियों की बाबत, जो सिक्किम राज्य सिविल सेवा के अधिष्ठायी सदस्यों में से और ऐसे अधिकारियों में से जो सिक्किम

राज्य सिविल सेवा के नहीं हैं किन्तु सिक्किम राज्य के अधीन अधिष्ठायी पद धारण कर रहे हैं, चयन द्वारा नियुक्त किए गए हैं :—

आबंटन-वर्ष का अवधारण, अधिकारियों की सेवा अवधि और उनके द्वारा धारित पदों के उत्तरदायित्वों को जिनका परिचय बेंचन, या कार्य की प्रकृति या दोनों से मिलता हो, ध्यान में रखते हुए, संघ लोक सेवा आयोग और राज्य सरकार के परामर्श से तदर्थ रूप में किया जाएगा :

“परन्तु इस प्रकार अवधारित किया गया किसी अधिकारी का आबंटन वर्ष वही होगा जो उसी मूल सेवा/विभाग में उससे ठीक अगले ज्येष्ठ अधिकारी का है, जिसका भारतीय प्रशासनिक सेवा के सिक्किम काडर के आरंभिक गठन पर उसमें चयन कर लिया जाता है।”

(ख) अखिल भारतीय सेवा के ऐसे अधिकारियों की बाबत जो अन्य राज्यों के काडर/संयुक्त काडर के हैं और स्थानांतरण पर सिक्किम काडर में नियुक्त किए गए हैं।

अधिकारियों का अपना मूल आबंटन वर्ष वैसे ही बना रहेगा और अपनी परस्पर ज्येष्ठता के प्रयोजन के लिए उन पर नियम 7 के उपबन्ध लागू होंगे।

[सं० 14014/75/77-ए आई एस (1)]

द्वारा एन० चोपड़ा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi, the 22nd February, 1978

G.S.R. 80(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of All India Services Act, 1951 (61 of 1951) the Central Government, in consultation with the

State Government of Sikkim, hereby makes the following Rules further to amend the Indian Administrative Service (Regulation of Seniority) Rules, 1954, namely :—

(1) These rules may be called the Indian Administrative Service (Regulation of Seniority) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. After rule 5D of the Indian Administrative Service (Regulation of Seniority) Rules, 1954, the following rule shall be inserted, namely :—

“5-E Seniority of officers appointed to the Service at the initial constitution of the Cadre of SIKKIM.”

Notwithstanding anything contained in these rules, in relation to the State of Sikkim, the year of allotment and the seniority of officers appointed to the Service at the time of the initial constitution of the State Cadre shall be determined by the Central Government in the following manner, namely :—

(a) In respect of officers appointed through selection from amongst the substantive members of the Sikkim State Civil Service and officers holding

substantive Posts under the Government of Sikkim not belonging to the Sikkim State Civil Service.

The year of allotment shall be determined *ad hoc* in consultation with the Union Public Service Commission and the State Government after taking into account the length of service and responsibilities of posts held by the officers as reflected in pay or nature of duties or both :

“Provided that the year of allotment of an officer so arrived at shall be limited to the year to which his immediate senior in the same parent service/department, who is selected to the IAS Cadre of Sikkim at its initial constitution obtains.”

(b) In respect of the IAS officers borne on the cadres/ Joint Cadres of other States, appointed to the cadre of Sikkim on transfer.

Officers shall retain their original year of allotment and for purpose of their interse seniority they shall be governed by the provisions of rule 7.

[No. 10414/74/77-AIS(I)]

R. N. CHOPRA, Jt. Secy.